भारतीय रिज़र्व बैंक सर्विसेज़ बोर्ड

ग्रेड 'बी' (सामान्य) में अधिकारियों की सीधी भर्ती – पैनल वर्ष - 2024

ऑनलाइन परीक्षा के लिए सूचना पुस्तिका

चरण-।।

1. चरण-।। की परीक्षा योजना:

इस परीक्षा में निम्नलिखित तीन प्रश्नपत्र (दो पालियों में आयोजित) होंगे :

पाली	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	प्रश्नपत्र का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समयावधि (मिनटों में)
पूर्वाह्न	प्रश्नपत्र-III	सामान्य वित्त और प्रबंधन	वस्तुनिष्ठ प्रकार	30 प्रश्न	50	30
			वर्णनात्मक प्रकार का पेपर, उत्तर की-बोर्ड की सहायता से टाइप करने होंगे।*	6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से उम्मीदवारों को किन्हीं 4 प्रश्नों [2 प्रश्न, प्रति प्रश्न 15 अंकों के (कठिनाई स्तर के साथ) और 02 प्रश्न, प्रति प्रश्न 10 अंकों के] के उत्तर देने होंगे।	50	90
	कुल				**100**	**120**
अपराह्न	प्रश्नपत्र-I	आर्थिक और सामाजिक मुद्दे	वस्तुनिष्ठ प्रकार	30 प्रश्न	50	30
			वर्णनात्मक प्रकार का पेपर, उत्तर की-बोर्ड की सहायता से टाइप करने होंगे*	6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से उम्मीदवारों को किन्हीं 4 प्रश्नों [2 प्रश्न, प्रति प्रश्न 15 अंकों के (कठिनाई स्तर के साथ) और 02 प्रश्न, प्रति प्रश्न 10 अंकों के] के उत्तर देने होंगे।	50	90
	कुल				**100**	**120**
	प्रश्नपत्र-II	अंग्रेजी (लेखन कौशल)	वर्णनात्मक प्रकार, कीबोर्ड की सहायता से टाइप करना होगा।	3 प्रश्न	100	90

*हिंदी में उत्तर टाइप करने का विकल्प चुनने वाले उम्मीदवार (i) Inscript अथवा (ii) Remington (GAIL) की-बोर्ड लेआउट की सहायता से उत्तर टाइप कर सकते हैं।

टिप्पणी:

क) प्रश्नपत्र -III (सामान्य वित्त और प्रबंधन) की परीक्षा पूर्वाह्न पाली में आयोजित की जाएगी। प्रश्नपत्र -I (आर्थिक और सामाजिक मुद्दे) और प्रश्नपत्र -II- अंग्रेजी (लेखन कौशल) की परीक्षा अपराह्न पाली में प्रश्नपत्र -I और प्रश्नपत्र-II के बीच बिना किसी अंतराल के आयोजित की जाएगी।

ख) प्रश्नपत्र - I तथा प्रश्नपत्र -III के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों को हल करने के लिए 30 मिनट की अवधि आबंटित की गई है। 30 मिनट के बाद वर्णनात्मक प्रकार का प्रश्नपत्र शुरू हो जाएगा जिसके लिए 90 मिनट की अवधि आबंटित की गई है। वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नपत्रों के बीच आप शफल नहीं कर सकेंगे।

ग) प्रश्नपत्र -I और प्रश्नपत्र -III वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नपत्र हेतु, 15 अंकों के प्रश्नों के लिए शब्द सीमा 600 शब्द और 10 अंकों के प्रश्नों के लिए 400 शब्द होगी।

चरण-II ऑनलाइन परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जाएगी जिन्हें चरण-I परीक्षा के परिणामों के आधार पर सूचीबद्ध किया गया है। यह परीक्षा दो पालियों में होगी। उम्मीदवारों को दोनों पालियों में उपस्थित होना होगा। **प्रवेश पत्र आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) से डाउनलोड किया जाना चाहिए**। चरण-II परीक्षा की तिथि, पालियों का समय और परीक्षा केंद्र प्रवेश पत्र में दर्शाया गया है।

उम्मीदवारों को चरण-II (प्रश्नपत्र -I + प्रश्नपत्र-II + प्रश्नपत्र -III) में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर साक्षात्कार हेतु सूचीबद्ध किया जाएगा। साक्षात्कार के लिए सूचीबद्ध किए जाने के लिए न्यूनतम कुल कट-ऑफ अंक रिक्तियों की संख्या के संबंध में बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। साक्षात्कार हेतु सूचीबद्ध किए गए उम्मीदवारों के रोल नंबर यथासमय भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर प्रकाशित किए जाएंगे। ई-साक्षात्कार पत्र केवल उम्मीदवारों की पंजीकृत ई-मेल आईडी पर ही भेजे जाएंगे।

चरण-II के सभी प्रश्नपत्र (अंग्रेजी प्रश्नपत्र को छोड़कर) हिंदी और अंग्रेजी अर्थात् द्विभाषी रूप में तैयार किए जाएंगे। उम्मीदवारों के लिए प्रश्नों को हिंदी अथवा अंग्रेजी में चुनने का विकल्प मौजूद होगा। भाषा का विकल्प परीक्षा के आरंभ में ही चुनना होगा। हालांकि, आप भाषा का विकल्प चुनने के बाद आवश्यकतानुसार दो भाषाओं के बीच स्विच/टॉगल कर सकेंगे। चरण-II (अर्थात् प्रश्नपत्र-I और प्रश्नपत्र-III) के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नपत्रों के उत्तर माउस द्वारा सही विकल्प पर क्लिक करके और उसके उपरांत 'Save and Next' पर क्लिक करके देने होंगे।

पूर्वाह्न और अपराह्न पालियों के लिए परीक्षा की समय अवधि क्रमशः 120 मिनट और 210 मिनट होगी। तथापि, आपको परीक्षा स्थल पर क्रमशः लगभग 160 मिनट और 240 मिनट रहना होगा। इसमें उपस्थिति दर्ज कराने, फोटो आईडी प्रूफ की फोटोप्रति के साथ प्रवेश पत्र जमा करने, लॉगइन करने आदि में लगने वाला समय शामिल है।

प्रश्नपत्र-I और प्रश्नपत्र-III: वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नपत्र: वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नपत्रों में सभी प्रश्न बहुविकल्पी प्रकार के होंगे। प्रश्न अलग-अलग अंकों के होंगे जो प्रश्नपत्रों में दर्शाए जाएंगे। उम्मीदवार आबंटित समय 30 मिनट के भीतर किसी भी प्रश्न का उत्तर किसी भी समय दे सकते हैं। प्रश्न के लिए दिए गए पांच विकल्पों में से केवल एक ही सही उत्तर होगा। **आपको उपयुक्त उत्तर का चयन करना है और जिस उत्तर को आप उपयुक्त/सही समझते हैं उसे 'माउस क्लिक' करना है। आपने जिस विकल्प को क्लिक किया है वह हाइलाइट हो जाएगा और ('Save and Next' के उपरांत) उसे उस प्रश्न का आपका उत्तर माना जाएगा। आपके द्वारा दिए गलत उत्तरों पर दंड स्वरूप अंकों में कटौती की जायेगी। आपके द्वारा दिए गए प्रत्येक गलत उत्तर के लिए उस प्रश्न विशेष हेतु निर्धारित अंकों का 1/4 अंक दंड स्वरूप काट लिया जाएगा।**

ऑनलाइन परीक्षा का स्कोर निम्न प्रक्रिया को अपनाकर निकाला जाएगा:

(i) उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक वस्तुनिष्ठ परीक्षा में दिए गए गलत उत्तरों पर दंड लगाने के बाद शुद्ध अंकों की गणना हेतु दिए गए सही उत्तरों की संख्या पर विचार किया जाता है।

(ii) प्रश्नपत्र वार स्कोर दो अंकों तक दशमलव अंक के साथ रिपोर्ट किया जाता है।

प्रश्नपत्र I तथा प्रश्नपत्र III: वर्णनात्मक प्रकार का प्रश्नपत्र: वर्णनात्मक प्रश्नों के मामले में, 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से उम्मीदवारों को 4 प्रश्नों [2 प्रश्न, प्रति प्रश्न 15 अंकों के (कठिनाई स्तर के साथ) और 02 प्रश्न, प्रति प्रश्न 10 अंकों के] का उत्तर देना होगा। यदि कोई उम्मीदवार वर्णनात्मक में 4 से अधिक प्रश्नों के उत्तर देता है तो प्रथम 4 प्रश्नों के उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

अंग्रेजी (लेखन कौशल) वर्णनात्मक प्रकार का प्रश्नपत्र: अंग्रेजी का प्रश्नपत्र इस तरीके से तैयार किया जाएगा कि उम्मीदवार की विषय की अभिव्यक्ति और समझ तथा लेखन कौशल का मूल्यांकन किया जा सके। प्रश्नपत्र में निबंध लेखन, सार लेखन और बोधन (Comprehension) आदि पर प्रश्न शामिल हो सकते हैं। उम्मीदवारों को कंप्यूटर के की-बोर्ड की सहायता से उत्तर टाइप करने होंगे।

2. नमूना प्रश्न: कृपया नोट करें कि इस सूचना पुस्तिका में दिए गए नमूना प्रश्न केवल उदाहरणात्मक हैं, सर्वांगपूर्ण नहीं है। वास्तविक परीक्षा में इनमें से कुछ या सभी प्रश्न उच्च कठिनाई स्तर के तथा यहां उल्लिखित प्रकारों से भिन्न प्रकारों के हो सकते हैं। कुछ नमूना प्रश्न नीचे दिए गए हैं।

प्रश्नपत्र -।।। - सामान्य वित्त तथा प्रबंधन – वस्तुनिष्ठ प्रकार
(प्रति प्रश्न 2 अंक वाले और 1 अंक वाले प्रश्न होंगे।)

प्र.1-3. 1990 का दशक भारतीय वित्तीय प्रणाली में महत्त्वपूर्ण बदलाव का दौर रहा है । उधार दर के अविनियमन व ईक्विटी निर्गमों आदि के मुक्त कीमत निर्धारण ने वित्तीय बाज़ार के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है । पूंजी बाज़ार के घोटालों व कम प्रतिलाभ के चलते पिछले कुछ सालों में निवेशक ईक्विटी बाज़ार से दूर हुए हैं । सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के तुलनात्मक विश्लेषण से यह पुष्टि होती है कि अधिकतर उभरती अर्थव्यवस्थाओं के पास एक एक कॉर्पोरेट बॉन्ड बाज़ार है । तथापि, भारत में बॉन्ड/कर्ज़ बाज़ार अब तक पूरी तरह से विकसित नहीं हो सका है और टर्नओवर बहुत कम है । सबसे लोकप्रिय बॉन्डों में आंशिक रूप से संपरिवर्तनीय डिबेंचर (PCDs), पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेंचर (FCDs), डीप डिस्काउंट बॉन्ड (DDBs), ज़ीरो कूपन बॉन्ड (ZCBs), वारंटी वाले बॉन्ड, फ़्लोटिंग दर वाले नोट (FRNs) / बॉन्ड व सिक्योर्ड प्रीमियम नोट (SPNs) शामिल हैं। इन लिखतों में से नियत दर वाले बॉन्ड सबसे प्रबल विकल्प के रूप में उभरे हैं जिनमें अधिकतम मात्रा में संव्यवहार हुए हैं।

प्र.1. श्रीमती लक्ष्मी ने ABC लिमिटेड के रु. 105/- प्रत्येक वाले 10% प्रतिवर्ष के बॉन्ड लिए, जिनमें प्रत्येक का अंकित मूल्य रु. 100/- है व अधिग्रहण की तिथि के पश्चात परिपक्वता तिथि ठीक 3 वर्ष है । बाज़ार की प्रतिलाभ दर 12% प्रतिवर्ष मानते हुए, अंतर्वाह का प्रति बॉन्ड वर्तमान मूल्य _____ होगा ।

(1) रु. 130.00 (2) रु. 95.30 (3) रु. 102.70 (4) रु. 87.90 (5) रु. 114.40

प्र.2. वत्सल लिमिटेड रु. 9 लाख के एक EBIT पर परिचालन कर रहा है, पहले ही प्रभारित किया जा चुका मूल्यह्रास रु. 2 लाख है तथा कर दर 35% है। 12% प्रतिवर्ष की लागत पर सावधि ऋण के रूप में वर्तमान उधार रु. 30 लाख है तथा 10% प्रतिवर्ष की लागत पर पूरी तरह उपयोग की गई कार्यशील पूंजी सीमा रु 10 लाख है । ब्याज कवरेज अनुपात कितना है?

(1) 1.54 (2) 2.50 (3) 1.67 (4) 0.97 (5) 1.36

प्र.3. श्री मोहन ने अंकित मूल्य पर 10% की छूट पर रु. 1000/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के बॉन्ड लिए जिन पर 10% प्रतिवर्ष की दर से कूपन है व सममूल्य पर उन्मोचन हेतु अवशिष्ट अवधि अधिग्रहण की तिथि से ठीक 2 वर्ष है। IRR कितना होगा?

(1) 11.11% (2) 18.12% (3) 12.12% (4) 16.18% (5) 15.25%

(2)

प्र.4. हेलो (halo) त्रुटि जो मूल्यांकनों को विकृत कर सकती है, क्या संदर्भित करती है ?

(1) किसी कारक विशेष पर उच्च प्रभाव के कारण सभी कारकों को उच्च चिह्नित करने की प्रवृत्ति

(2) सभी को उच्च चिह्नित करने की प्रवृत्ति

(3) जिनका मूल्यांकन किया जाना है तथा जो अक्सर मूल्यांकनकर्ता के प्रति हेलो (halo) की कामना रखते हैं उनको excellent की रैंक देने की प्रवृत्ति

(4) लोग जितने के लायक हैं उन्हें उससे अधिक की रेटिंग देने की प्रवृत्ति ताकि इस बात का ध्यान रखा जाए कि खराब रेटिंग व्यक्ति को नुकसान न पहुंचाए

(5) मूल्यांकनकर्ता द्वारा उन कर्मचारियों को उच्च रेटिंग देने की प्रवृत्ति जो वही गुण दर्शाते हैं जो स्वयं मूल्यांकनकर्ताओं में होते हैं

प्र.5. वित्तीय बाज़ारों का/के कार्य निम्न में से कौन-से हैं ?

(1) प्राइस डिस्कवरी को सुलभ बनाना
(2) वित्तीय आस्तियों को चलनिधि प्रदान करना
(3) सर्च लागतों को कम करना
(4) सूचना लागतों को कम करना
(5) उपरोक्त सभी

प्रश्नपत्र -।।।- सामान्य वित्त तथा प्रबंधन – वर्णनात्मक प्रकार

प्र 1. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा साख नियंत्रण के मात्रात्मक तथा गुणात्मक साधनों की प्रभावशीलता पर चर्चा करें ।

प्र 2. संगठनों द्वारा प्रयुक्त कार्यनिष्पादन मूल्यांकन पद्धतियों तथा सांगठनिक माहौल एवं संस्कृति पर इनके प्रभाव की चर्चा कीजिए।

प्रश्नपत्र -। : आर्थिक और सामाजिक मुद्दे – वस्तुनिष्ठ प्रकार

(प्रति प्रश्न 2 अंक वाले और 1 अंक वाले प्रश्न होंगे।)

प्र 1-3. निम्न परिच्छेद पढ़िए और दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए :

इस साल की शुरूआत में जारी डाटा से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐसी ऐतिहासिक घटना का पता चला जिस पर ज्यादातर किसी का ध्यान नहीं गया : भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में पहली बार कृषि कामगारों का कार्यबल अब आधे से कम रह गया है और GDP में इसका अंशदान 14 प्रतिशत से कम है । हालांकि हाल ही के वर्षें में भले ही गैर-कृषि अर्थव्यवस्था कमजोर बनी रही, इसके बावजूद समग्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की संवृद्धि द्वारा समग्र संवृद्धि अपनी सीमा तक संभली रही है । और वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के भीतर गैर-कृषि गतिविधियां तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही हैं, तकरीबन तीन में से दो कामगार अपनी आय के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए कृषि पर निर्भर हैं । पूर्ववर्ती वर्षों से न्यूनतर उत्पादन, उच्चतर खेती लागत और कमजोर पैदावार ने कृषि आय हेतु और इस तरह संपूर्ण ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अशुभ संकेत दिए । यदि ग्रामीण आय पर प्रभाव पड़ता है, तो ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना के अंतर्गत कार्य के लिए अपेक्षाकृत बड़ी मांग हो सकती है। हालांकि MGNREGA को केवल आदिवासी जिलों तक सीमित करने का सरकारी प्रस्ताव है, फिर भी यदि कृषि आय दुर्बल बनी रहती है तो शेष अर्थव्यवस्था में इसका असर दिखाई देता है और इस माध्यम से इस नीति पर ध्यान देने के लिए सरकार की मंशा का अच्छी तरह से परीक्षण किया जा सकता है ।

प्र.1. परिच्छेद में उद्धृत कृषि क्षेत्र से संबंधित आंकड़े क्या संकेत देते हैं ?

(1) कृषि आय पर कमोडिटी की कम वैश्विक कीमतों और कमज़ोर या गतिहीन उत्पादन द्वारा असर पड़ने की संभावना है
(2) निरंतर सरकारी सहायता के बावजूद समग्र कृषि उत्पादन में इस वर्ष काफी गिरावट होगी
(3) कमजोर मानसून जैसे कारकों के परिणामस्वरूप कृषि-संबंधी घाटा हुआ
(4) भारत के GDP में अपने घटते अंशदान के बावजूद कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है
(5) कृषि में और अधिक कार्य-बल को नियोजित किया जाना चाहिए

प्र.2. निम्न में से कौन-सा वेल्कम डेवलपमेंट है ?

(1) ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत कार्य हेतु अपेक्षाकृत बड़ी मांग
(2) गैर-कृषि अर्थव्यवस्था का कमजोर बने रहना
(3) कृषि-संबंधी कार्यबल का कुल कार्यबल के आधे से कम होना
(4) उच्चतर खेती लागतें
(5) MGNREGA को आदिवासी जिले तक सीमित करना

Q.3. निम्न में से कौन-सा, MGNREGA का श्रेष्ठ वर्णन करता है?

(1) कौशल-युक्त कार्य करने को स्वेच्छा से तैयार, प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन के सवैतनिक रोज़गार की गारंटी देता है

(2) कृषि क्षेत्र में कार्य करने को स्वेच्छा से तैयार, प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन के सवैतनिक रोज़गार की गारंटी देता है
(3) किसी ग्रामीण परिवार के एक वयस्क सदस्य को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन के सवैतनिक रोज़गार की गारंटी देता है
(4) कृषि या ग़ैर-कृषि क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों के एक वयस्क सदस्य को गारंटीकृत नियमित रोज़गार
(5) ग्रामीण इलाकों में न्यूनतम पारिश्रमिक तय करना

प्र.4. भारत में पंचवर्षीय योजनाओं की क्या भूमिका है ?
(1) केवल GDP और BOP को नियंत्रित करना
(2) विभिन्न उत्पादन क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु योजना बनाना
(3) विभिन्न उत्पादन क्षेत्रों के समग्र विकास के साथ-साथ मानव विकास हेतु योजना बनाना
(4) देश के समग्र विकास हेतु योजना बनाना और बजट संबंधी आबंटन को मंजूरी देना
(5) देश के समग्र कृषि विकास हेतु योजना बनाना और संसाधन आबंटित करना

प्र.5. 2011 में शुरू की गई सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना (SECC) के अनुसार भारत में परिवारों की कुल संख्या लगभग ____ है ।
(1) 17.39 करोड़ (2) 19.39 करोड़ (3) 21.39 करोड़ (4) 24.39 करोड़ (5) 27.39 करोड़

प्रश्नपत्र -I : आर्थिक और सामाजिक मुद्दे – वर्णनात्मक प्रकार

प्र.1. क्रय शक्ति पर मुद्रास्फीति के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

प्रश्नपत्र -II: अंग्रेजी (लेखन कौशल) - वर्णनात्मक प्रश्नपत्र

Q.1. Write an essay on any **ONE** of the following topics in about 400 words.

1. Three effective measures to eradicate illiteracy in India. Explain how the measures suggested by you will be effective.
2. It is often said that computerization results in unemployment. Do you agree? Explain.
3. High Rise Buildings: Infrastructural and Environmental Issues.

Q.2. Write a précis of the following passage in about 120 words, and give it a title.

Christian Reed, a project manager, has worked at the Tata Steel plant—Britain's biggest—for 11 years. His father worked in the local steel industry for 40 years, and his grandfather was a foundry worker. "It's very difficult to contemplate losing the plant," he says. "It would be like losing a member of the family."

The fate of his job and those of about 4,300 other Port Talbot steelworkers, as well as Britain's loss-making steel industry in general, have become the most poignant part of the political row that has erupted in Britain since Tata Steel, Britain's biggest producer, said in late March that it planned to sell or close its operations in the country. Opposition politicians have demanded that the government engineer a rescue, either by erecting high tariff walls against cheap steel imports, as America has done, or by going for some sort of nationalisation, as Italy has attempted with the ill-starred Ilva plant in the heel of the country. On April 5th a potential rescuer, Sanjeev Gupta of Liberty House, a commodity-trading company, said he was interested in buying the Port Talbot business, though he wants plenty of government sweeteners before doing so. He has called Britain's steel industry "probably the worst in the world."

There are few parts of the rich world where steel remains a good business, however. Port Talbot's woes are indicative of a global problem—especially in places where makers of unspecialised steel face competition from cheaper producers.

In the eyes of many, including the Welsh steelworkers, the main bogeyman is China, where steel output has ballooned. The country has produced more steel in two years than Britain since 1900, according to the International Steel Statistics Bureau, and is indeed awash with excess capacity. But this is part of a phenomenon that extends across the developing world. The OECD, a club mostly of rich countries, reckons that in the four years to 2017 steelmaking capacity will have grown by 50% in the Middle East, 20% in Africa and 10% in Latin America.

Meanwhile, the China-led slowdown in developing economies and low oil prices, which have hit the use of steel in rigs and pipelines, mean that demand is severely lagging supply. Even in India, which is supposed to be the bright spot of the global steel market, demand growth is unlikely to recover to levels in the years before 2010 when it embarked on a debt-fuelled infrastructure construction binge.

Q.3. English Comprehension based on a passage.

Read the following passage carefully and answer the questions that follows.

In this age, when the popular involvement in day-to-day matters in mounting, it is the electronic systems that offer us a potential service infrastructure which could, with careful programming, probably take care of a very large element of what we describe as mechanical, procedural governance without all the distortions, corruptions and harassments which constitute the daily misery of the average citizen. Of course, the electronic systems will only behave to the extent that they are properly programmed. But this is no impossible task today.

Once we move our minds beyond the mere use of the electronic revolution for business efficiency and higher profitabilities and apply it to the task of reducing the routine, repetitive activities of governance, we will conserve time and energy for more important and creative tasks. In other words, the electronic revolution can make for better and more effective handling of real everyday problems, additionally to providing the basic service of computerized information banks. Even in less developed conditions, the potential of the electronic network to take over a great deal of what is called bureaucratic "paper work" has been vividly demonstrated. Licensing system involving endless form filling in endless copies; tax matters which baffle millions of citizens, particularly those who have nothing to hide; election system which require massive supervisory mobilizations or referendums based on miniscule "samples" which seldom reflect the reality at the social base. At all these points, the electronic advantage is seen and recognized. However, we must proceed further.

It is possible to foresee a situation where the citizen, with his personalized computer entry card, his "number", is able to enter the electronic network for a variety of needs now serviced by regiments of officials, high and low. Indeed, this is already happening in a number of countries. From simple needs, we will move to more complex servicing, and, ultimately, into creativity or what is called "artificial intelligence".

Q. (i) What does the term "bureaucratic paper work" refer to?

Q. (ii) How has electronic revolution helped organisations in day-to-day activities?

Q. (iii) What is "artificial intelligence"?

3. ऑनलाइन परीक्षा के लिए परिचालन अनुदेश

(क) प्रश्नपत्र-I और प्रश्नपत्र-III: वस्तुनिष्ठ और वर्णनात्मक प्रकार की परीक्षा

(1) उम्मीदवार के लिए एक लॉगइन स्क्रीन दिखाई देगी। उम्मीदवार को प्रवेश पत्र पर मुद्रित लॉगइन आईडी और पासवर्ड का प्रयोग करते हुए लॉगइन करना है ।

(2) उम्मीदवार की प्रोफाइल (नाम, रोल नं. आदि) दिखाई देगी और यदि प्रोफाइल सही हो तो उम्मीदवार को 'I Confirm' बटन पर क्लिक करके पुष्टि करनी होगी। उसके बाद स्क्रीन पर अनुदेश प्रदर्शित होंगे। उम्मीदवार को यह सुनिश्चित करना है कि स्क्रीन पर दिखाई गई प्रोफाइल उसी की हो। किसी भी विसंगति के मामले में, परीक्षा आरंभ होने से पहले परीक्षा व्यवस्थापक/निरीक्षक (Invigilator) को इसकी सूचना दी जाए।

(3) सभी वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न बहु विकल्पीय होंगे। प्रश्न के लिए दिए गए पाँच विकल्पों में से केवल एक सही उत्तर होगा। उम्मीदवार को उस विकल्प पर क्लिक करके चयन करना है जो उसे उपयुक्त/सही लगता है। किसी भी प्रश्न का उत्तर, अंतिम मूल्यांकन के लिए तभी मान्य होगा **जब उम्मीदवार ने उसको "Save & Next" के साथ सबमिट किया हो अथवा "Mark for Review & Next" पर क्लिक किया हो ।**

(4) उम्मीदवार को अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना है और स्क्रीन पर नीचे की ओर दिए 'चेकिंग' बॉक्स को क्लिक करके यह दर्शाना है कि उसने अनुदेशों को पढ़ लिया है। तब उसके बाद 'I am ready to begin' बटन एक्टिवेट हो जाता है।

(5) 'I am ready to begin' बटन पर क्लिक करने के पश्चात परीक्षा का वास्तविक समय प्रारम्भ हो जाएगा ।

(6) एक समय पर केवल एक ही प्रश्न दिखाई देगा।

(7) सर्वर पर घड़ी सेट की गई है और आपके स्क्रीन पर ऊपरी दांए कोने में काउंट डाउन टाइमर आपके लिए परीक्षा पूरी करने के लिए शेष समय दर्शाएगा। घड़ी में समय पूरा हो जाने पर परीक्षा का समय स्वतः पूरा हो जाता है। उम्मीदवार को अपनी परीक्षा समाप्त करने या सबमिट करने की आवश्यकता नहीं होती है।

(8) स्क्रीन के दाईं ओर प्रश्न पैलेट, क्रमांकित प्रत्येक प्रश्न के लिए निम्न में से एक स्थिति प्रकट करता है :

1 आप अभी तक प्रश्न पर नहीं गए हैं।

2 आपने प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है।

3 आप प्रश्न का उत्तर दे चुके हैं।

4 आपने प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है पर प्रश्न को पुनर्विचार के लिए चिह्नित किया है।

5 प्रश्न जिसका उत्तर दिया गया है और समीक्षा के लिए भी चिह्नित है, उसका मूल्यांकन किया जायेगा।

पुनर्विचार के लिए चिह्नित (Marked for Review) स्थिति सामान्यतः रिमाइंडर के रूप में कार्य करती है जिसे आपने प्रश्न को दोबारा देखने के लिए सेट किया है। *यदि पुनर्विचार के लिए चिह्नित किसी प्रश्न के लिए* कोई *उत्तर चुना जाता है, तब अंतिम मूल्यांकन में उस उत्तर पर विचार किया जाएगा।*

(9) उत्तर देने के लिए प्रश्न चुनने हेतु आपको निम्नलिखित में से एक करना है :

(क) उस नंबर के प्रश्न पर सीधे जाने के लिए आपके स्क्रीन के दाईं ओर प्रश्न पैलेट पर प्रश्न संख्या पर क्लिक कीजिए। नोट करें कि इस विकल्प के प्रयोग पर वर्तमान प्रश्न का आपका उत्तर सेव नहीं होता है।

(ख) वर्तमान प्रश्न का उत्तर सेव करने के लिए और क्रम में अगले प्रश्न पर जाने के लिए 'Save & Next' पर क्लिक कीजिए।

(ग) वर्तमान प्रश्न का उत्तर सेव करने, उसे रिव्यू हेतु मार्क करने और क्रम में अगले प्रश्न पर जाने के लिए 'Mark for Review & Next' पर क्लिक कीजिए ।

(10) अपना उत्तर चुनने के लिए, एक विकल्प बटन पर क्लिक कीजिए ।

(11) अपना उत्तर बदलने के लिए, दूसरा वांछित विकल्प बटन क्लिक कीजिए ।

(12) अपना उत्तर सेव करने के लिए, उम्मीदवार को 'Save & Next' पर **अवश्य** क्लिक करना चाहिए।

(13) चुना गया उत्तर डिसिलेक्ट करने के लिए, चुने गए विकल्प पर फिर से क्लिक कीजिए या Clear Response बटन पर क्लिक कीजिए।

(14) रिव्यू के लिए प्रश्न मार्क करने के लिए Mark for Review & Next पर क्लिक कीजिए। यदि Marked for Review प्रश्न के लिए कोई उत्तर चुना जाता है तो अंतिम मूल्यांकन में उत्तर पर विचार किया जाएगा।

(15) किसी प्रश्न का उत्तर बदलने के लिए, पहले प्रश्न का चयन कीजिए और फिर नए उत्तर विकल्प पर क्लिक कीजिए और उसके बाद Save & Next बटन पर क्लिक कीजिए ।

(16) **जो प्रश्न उत्तर देने के बाद 'सेव' या 'रिव्यू के लिए मार्क' किए गए हैं, सिर्फ उन्हीं प्रश्नों पर मूल्यांकन के लिए विचार किया जाएगा।**

(17) परीक्षा शुरू होने के बाद उम्मीदवार को किसी भी परिस्थिति में 'की बोर्ड की किसी भी कुंजी (key)' पर क्लिक नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे परीक्षा लॉक हो जाएगी ।

(18) उम्मीदवार अपने उत्तर में परिवर्तन केवल सबमिशन से पहले कर सकता है।

(19) पूरी परीक्षा अवधि की समाप्ति के बाद, उम्मीदवार न ही किसी भी प्रश्न का उत्तर दे पाएंगे और न ही अपने उत्तर जांच पाएंगे। भले ही उम्मीदवार ने 'सबमिट' बटन क्लिक नहीं किया हो, तब भी कंप्यूटर सिस्टम द्वारा उम्मीदवार के उत्तर स्वतः सेव कर लिए जाएंगे।

(20) **वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए 30 मिनटों की अवधि प्रदान की गई है। 30 मिनटों के बाद, वर्णनात्मक प्रकार का प्रश्नपत्र शुरू हो जाएगा जिसके लिए 90 मिनटों की अवधि प्रदान की गई है। आप वस्तुनिष्ठ और वर्णनात्मक प्रश्नपत्रों के बीच फेरबदल/ शफल नहीं कर सकते।**

(21) उम्मीदवार केवल परीक्षा शुरू होने से पहले टेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर से अपनी शंकाओं का समाधान कर सकता है। परीक्षा शुरु होने के बाद किसी भी क्वेरी (शंका) का उत्तर नहीं दिया जाएगा।

(22) **वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नपत्र के लिए कृपया नोट करें: -**

(क) परीक्षा का पूर्ण समय समाप्त होने तक उम्मीदवारों को "**फाइनली सबमिट**" करने नहीं दिया जाएगा ।

(ख) एक बार परीक्षा शुरू हो जाने पर किसी भी परिस्थिति में कोई उम्मीदवार किसी भी 'कीबोर्ड कुंजी' ('keyboard keys') पर क्लिक नहीं करेगा क्योंकि इससे परीक्षा लॉक हो जाएगी ।

(23) **वर्णनात्मक प्रश्न पत्र के लिए कृपया नोट करें :-**

(क) परीक्षा देने हेतु अलग से किसी लॉग-इन की आवश्यकता नहीं है।

(ख) वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं के स्वतः पूर्ण होने पर यह परीक्षा स्वतः शुरू हो जाएगी।

(ग) प्रश्न कंप्यूटर के मॉनिटर पर दर्शाए जाएंगे।

(घ) एक बार में केवल एक प्रश्न दर्शाया जाएगा।

(ड़) "टाइप करते समय यदि आप 'स्पेस बार' (Space bar) दबाते हैं और फिर 'एंटर कुंजी' (Enter key) दबाते हैं, तो 'कर्सर' (cursor) अगली पंक्ति में नहीं जाएगा। हालाँकि यदि आप अंतिम शब्द के तुरंत बाद 'एंटर कुंजी' (Enter key) दबाते हैं, तो 'कर्सर' (cursor) अगली पंक्ति में चला जाएगा। आपको इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि यदि स्पेस बार (Space bar) / एंटर कुंजी (Enter key) को एक से अधिक बार दबाया जाता है, तो सिस्टम (system) उसे एक की स्ट्रोक (single keystroke) (यानी कि एक स्पेस (Space) और एक एंटर (Enter) अगली लाइन में) मानेगा।"

प्रश्नपत्र-III और प्रश्नपत्र-I में वस्तुनिष्ठ परीक्षा के तुरंत बाद ही एक वर्णनात्मक परीक्षा आयोजित की जाएगी।
अपराह्न पाली में प्रश्नपत्र-I के तुरंत बाद प्रश्नपत्र- II की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

महत्वपूर्ण :

यद्यपि नीचे दिखाया गया पैनल वस्तुनिष्ठ परीक्षा (या और कहीं जहां उसकी आवश्यकता न हो) में भी दिया गया है, परंतु इसका उपयोग केवल वर्णनात्मक परीक्षा में ही किया जाना है।

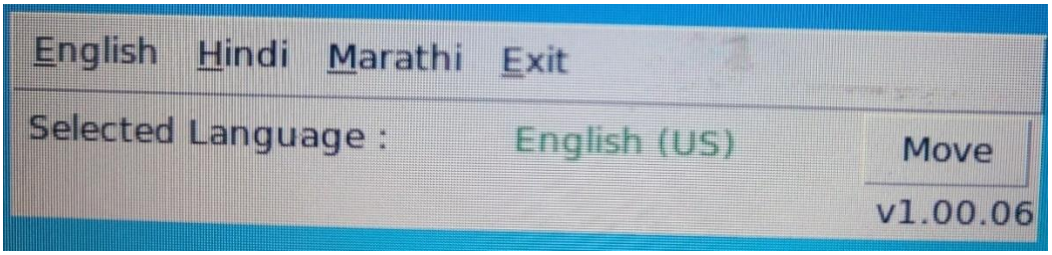

कृपया निम्नलिखित अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें :

- भाषा चयन विकल्प के साथ यह पैनल दिखाई देगा जिसका इस्तेमाल वर्णनात्मक परीक्षा के दौरान किया जाना है। परीक्षा के दौरान किसी भी समय पैनल के **"Exit" बटन पर क्लिक न करें** ।
- हिन्दी वर्णनात्मक प्रश्न का उत्तर देने हेतु हिन्दी भाषा का और अंग्रेज़ी वर्णनात्मक प्रश्न का उत्तर देने हेतु अंग्रेज़ी भाषा का चयन करने के लिए दिए गए पैनल का इस्तेमाल करें।
- परीक्षा के दौरान किसी भी समय पैनल के **"Exit" बटन पर क्लिक न करें**।
- की-बोर्ड लेआउट केवल अंग्रेज़ी (रोमन) में उपलब्ध होगा। यदि उम्मीदवार प्रश्नपत्र-III और प्रश्नपत्र-I के वर्णनात्मक भाग का उत्तर हिंदी में देना चाहते हैं तो उम्मीदवारों को कीबोर्ड पर इनस्क्रिप्ट या रेमिंग्टन (GAIL) मैपिंग का ज्ञान होना चाहिए।
- यदि कोई उम्मीदवार प्रश्नपत्र-I वर्णनात्मक भाग का उत्तर हिंदी में देता है, तो उसे प्रश्नपत्र-II का उत्तर देने से पहले आवश्यक रुप से इस टॉगल बार पर चयन को अंग्रेजी में बदलना होगा।

(ख) प्रश्नपत्र-II: अंग्रेज़ी (लेखन कौशल)

परीक्षा देने हेतु किसी भी प्रकार के अलग लॉग इन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि 120 मिनट उपरांत प्रश्नपत्र-I के ऑटोसबमिशन पर परीक्षा स्वतः ही प्रारम्भ हो जाएगी। प्रश्न अंग्रेजी में होंगे और उनके उत्तर की-बोर्ड का प्रयोग करते हुए उनके लिए दिए गए स्थान पर केवल अंग्रेजी में टाइप करने होंगे। एक समय पर केवल एक ही प्रश्न दिखाई देगा ।

4. सभी प्रश्नपत्रों के सबमिशन के बारे में -

(1). उम्मीदवारों को परीक्षा के पूर्ण समय की समाप्ति से पूर्व अपने उत्तरों को सबमिट करने की अनुमति नहीं होगी।
(2). उम्मीदवार अपना उत्तर केवल सबमिट करने से पूर्व ही बदल सकता/सकती है ।
(3). परीक्षा अवधि की समाप्ति के पश्चात, उम्मीदवार न ही किसी भी प्रश्न का उत्तर दे पाएंगे और न ही अपने उत्तर जांच पाएंगे। उम्मीदवार ने 'सबमिट' बटन क्लिक नहीं किया होगा तब भी कंप्यूटर सिस्टम द्वारा उनके उत्तर स्वतः ही सेव कर लिए जाएंगे।

5. सामान्य अनुदेश:

(1) कृपया प्रवेश पत्र में दिए गए पंजीकरण संख्या, रोल नंबर, पासवर्ड, तारीख, समय और परीक्षा स्थल के पते को नोट करें ।

उम्मीदवार को प्रवेश पत्र जारी किया गया है इसका यह अर्थ नहीं है कि बोर्ड द्वारा उनकी उम्मीदवारी को अंततः स्वीकृति दे दी गई है अथवा परीक्षा के उनके आवेदन में उनके द्वारा भरी गई प्रविष्टियों को बोर्ड ने सत्य और सही मान लिया है। यह नोट किया जाए कि चरण-II की परीक्षा के परिणाम के आधार पर जो उम्मीदवार अर्हक होंगे, केवल उनके साक्षात्कार के समय पर बोर्ड पात्र उम्मीदवारों अर्थात आयु, शैक्षणिक योग्यता, और श्रेणी (अनुसूचित जाति/जनजाति/अपिव/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी) आदि का मूल दस्तावेजों के संदर्भ में सत्यापन करेगा। इसलिए उम्मीदवार कृपया यह नोट करें कि यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि आप विज्ञापन में दिए गए पात्रता मानदंडों को पूर्ण नहीं करते हैं अथवा आवेदन में आपके द्वारा दी गई जानकारी गलत है तो आपकी उम्मीदवारी ऐसी किसी कार्रवाई सहित तत्काल रद्द किए जाने की भागी होगी, जिसे बोर्ड/भारतीय रिजर्व बैंक करना चाहेगा। उम्मीदवार कृपया नोट करें कि प्रवेश पत्र भारतीय रिजर्व बैंक में रोजगार का प्रस्ताव नहीं है।

(2) **परीक्षा स्थल की पुष्टि करने के लिए चरण-II की ऑनलाइन परीक्षा से एक दिन पहले उम्मीदवार परीक्षा स्थल जाकर देख सकते हैं ताकि परीक्षा के दिन आप समय पर रिपोर्ट कर सकें। गेट बंद होने के समय के बाद रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।**

(3) उम्मीदवार को अपना नवीनतम पासपोर्ट आकार का फोटोग्राफ चिपकाकर प्रवेश पत्र अपने साथ परीक्षा स्थल पर लाना होगा (वही फोटो चिपकाएं जिसे पंजीकरण के समय अपलोड किया गया हो।)

(4) कृपया मूल रूप में वैध फोटो युक्त पहचान का प्रमाण और उसी फोटो युक्त पहचान प्रमाण की एक फोटोप्रति साथ लाएं - **यह अनिवार्य है**। **इन दस्तावेजों के बिना आने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।** वैध फोटो पहचान प्रमाण हैं- पैनकार्ड/पासपोर्ट/स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस/ फोटोग्राफ युक्त वोटर्स कार्ड/फोटोग्राफ युक्त बैंक पास बुक/आधिकारिक लेटर हेड पर राजपत्रित अधिकारी द्वारा फोटो के साथ जारी फोटो पहचान का प्रमाण/आधिकारिक लेटर हेड पर जन प्रतिनिधि द्वारा फोटो के साथ जारी फोटो पहचान का प्रमाण/मान्यता प्राप्त कॉलेज/यूनिवर्सिटी द्वारा जारी वैध वर्तमान पहचान पत्र/आधार कार्ड/फोटो युक्त ई-आधार कार्ड/ सरकारी विभागों/पीएसयू द्वारा जारी कर्मचारी पहचान पत्र/फोटोग्राफ युक्त बार काउंसिल पहचान पत्र। **कृपया नोट करें - इस उद्देश्य के लिए राशन कार्ड और लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस को वैध पहचान-प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। स्टाफ उम्मीदवारों को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी पहचान पत्र और इसकी फोटोप्रति लाना होगा।** कृपया ध्यान दें कि प्रवेश पत्र पर लिखा गया उम्मीदवार का नाम (जैसा उम्मीदवार ने पंजीकरण की प्रक्रिया के दौरान दिया है) फोटो पहचान प्रमाण पर दिखने वाले नाम के बिल्कुल अनुरूप होना चाहिए। **यदि प्रवेश पत्र और फोटो पहचान प्रमाण में दिया गया नाम जरा भी बेमेल हुआ तो उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल होने नहीं दिया जाएगा। उन उम्मीदवारों के मामले में जिन्होंने अपना नाम बदल लिया है, यदि वे राजपत्र अधिसूचना/अपना विवाह प्रमाण पत्र/शपथपत्र प्रस्तुत करते हैं तो ही उन्हें अनुमति दी जाएगी।**

(5) बायोमैट्रिक डेटा (अंगूठे का निशान) और फोटोग्राफ परीक्षा स्थल पर परीक्षा शुरू होने से पहले लिया जाएगा। बायोमैट्रिक डेटा सत्यापन प्राधिकारी का इस संदर्भ में (डाटा मैच करता है या नहीं करता है) निर्णय अंतिम होगा और उम्मीदवारों के लिए बाध्यकारी होगा। बायोमैट्रिक डेटा कैप्चर करने/सत्यापन करने की प्रक्रिया में किसी भी अवसर पर भाग लेने से इनकार करने पर उम्मीदवारी रद्द हो सकती है। बायोमैट्रिक डेटा कैप्चरिंग के संबंध में कृपया निम्नलिखित पहलुओं पर ध्यान दें

(क) यदि उंगलियों पर कोई परत हो (स्याही/मेहंदी/रंग आदि लगी हुई) तो उन्हें अच्छी तरह से धोना सुनिश्चित करें ताकि परीक्षा की तिथि से पहले उन पर लगी परत उतर जाए।

(ख) यदि उंगलियां मैली या धुलभरी हों तो अंगूठे के निशान (बायोमैट्रिक) लिए जाने से पहले उन्हें धोकर सुखा लेना सुनिश्चित करें।

(ग) सुनिश्चित कर लें कि दोनों हाथों की उंगलियां सूखी हों। यदि उंगलियां नम हों तो प्रत्येक उंगली पोंछकर उसे सुखा लें।

(घ) यदि कैप्चर किया जाने वाला अंगूठा चोटिल/क्षतिग्रस्त हो तो तुरंत परीक्षा केंद्र में संबंधित प्राधिकारी को सूचित करें।

(इन बिंदुओं में से किसी का भी पालन न करने पर परीक्षा में शामिल होने से वंचित रखा जाएगा)

(6) उम्मीदवारों को परीक्षा स्थल पर केंद्र समन्वयक/स्थल प्रभारी/स्थल अधिकारी के निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन करना चाहिए। यदि कोई उम्मीदवार निर्देशों/नियमों का उल्लंघन करता है, तो इसे कदाचार/ अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और ऐसे उम्मीदवार को आरबीआईएसबी द्वारा निर्धारित अवधि के लिए परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया जाएगा।

(7) परीक्षा के दौरान किसी कैलकुलेटर (अलग या घड़ी के साथ), पुस्तक, नोट बुक, लिखित नोट्स, पेजर, सेल फोन (कैमरे की सुविधा सहित या रहित) अथवा इसी तरह के किसी भी इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरण आदि के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी। उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि वे पेजर सहित कोई भी प्रतिबंधित वस्तु परीक्षा स्थल पर न लाएं क्योंकि उनके सुरक्षा इंतजाम का आश्वासन नहीं दिया जा सकता है। जो उम्मीदवार परीक्षा के दौरान किसी दूसरे उम्मीदवार को / से सहायता देने / लेने सहित किसी अनुचित साधन या किसी कदाचार का सहारा लेते हुए पाया गया, उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए कि दूसरा कोई उम्मीदवार उनके उत्तरों की नकल न कर सके।

(8) एक जैसे सही व गलत उत्तरों के पैटर्न का पता लगाने के लिए उम्मीदवारों के उत्तरों का विश्लेषण परीक्षा में सम्मिलित अन्य उम्मीदवारों के साथ किया जाएगा। यदि इस संबंध में अपनाई गई विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में यह अनुमान लगता/निष्कर्ष निकलता है कि उत्तर साझा किए गए हैं और प्राप्त अंक वास्तविक/वैध नहीं है तो आपकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। नकल करते, सहायता लेते या देते या उम्मीदवार के लिए अनुचित ऐसा व्यवहार करते हुए पाए जाने वाले उम्मीदवार के मूल्यांकन पर विचार नहीं किया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों के खिलाफ बोर्ड मौजूदा कानून/नों के तहत बोर्ड द्वारा उपयुक्त समझी जाने वाली आगे की कार्रवाई कर सकता है।

(9) उम्मीदवारों को अपने साथ एक बॉलपॉइंट पेन (नीला/काला) लाना चाहिए। परीक्षा के अंत में अपने उत्तर सबमिट करने से पहले जिन प्रश्नों को आप रिव्यू करना चाहते हैं उनके प्रश्न नंबर लिखने या रफ कार्य करने के लिए आपको कागज का एक पृष्ठ दिया जाएगा। परीक्षा पूरी होने के बाद स्थल छोड़ने से पहले आप कागज का यह पृष्ठ निरीक्षक (Invigilator) को सौंप दें।

(10) जो उम्मीदवार छद्म रूप धारण करने अथवा ऐसे जाली दस्तावेज प्रस्तुत करने जिनके साथ छेड़छाड़ की गई हो अथवा ऐसे बयान देने जो गलत या झूठे हों अथवा किसी महत्वपूर्ण जानकारी को छुपाने अथवा अन्यथा परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु किसी अन्य अनियमित या अनुचित माध्यम का प्रयोग करने अथवा परीक्षा हॉल में अनुचित साधनों का प्रयोग करने अथवा प्रयोग

करने का प्रयास करने अथवा परीक्षा हॉल में दुर्व्यवहार करने का दोषी है या जिसे बोर्ड द्वारा दोषी घोषित किया गया है, उसे स्थायी रूप से अथवा निर्दिष्ट अवधि के लिए परीक्षा से वंचित किया जा सकता है -

(i) बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों के चयन हेतु बोर्ड द्वारा ली गई किसी भी परीक्षा में प्रवेश अथवा साक्षात्कार में उपस्थिति से, और

(ii) बैंक द्वारा उसके अधीन रोजगार से, और

(iii) यदि वह पहले से ही बैंक की सेवा में है, तो उचित नियमों के अंतर्गत अनुशासनिक कार्रवाई का भागी होगा ।

<u>बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए टिप्पणी:</u>

(1) परीक्षा के प्रत्येक घंटे के लिए बीस (20) मिनट के **अतिरिक्त / क्षतिपूरक समय** की केवल उन्हीं दिव्यांगजनों को अनुमति दी जाएगी जिन्हें गति सहित लिखने/टाइप करने में शारीरिक रूप से असुविधा हो और जो एक स्क्राइब की सुविधा का उपयोग करते हों। हालांकि परीक्षा के प्रत्येक घंटे के लिए बीस (20) मिनट का अतिरिक्त/ क्षतिपूरक समय सभी दृष्टिबाधित उम्मीदवारों को प्रदान किया जाएगा, भले ही वे स्क्राइब या स्व लेखन का विकल्प चुनते हों या मैग्नीफायर जैसे सहायक उपकरणों की सहायता लेते हों।

(2) पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार, जो स्क्राइब की सुविधा लेना चाहते हैं, वे उनके लिए दिए गए अनुदेशों को डाउनलोड कर लें और ध्यान से पढ़ लें, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) से डाउनलोड किया जा सकता है।

(3) स्क्राइब का उपयोग करने वाले उम्मीदवारों को एक संयुक्त वचनपत्र /घोषणा पत्र भी प्रस्तुत करना होगा, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) से डाउनलोड किया जा सकता है।

(4) सभी दृष्टिबाधित उम्मीदवारों को ऑन स्क्रीन मैग्निफायर की सुविधा का प्रयोग करने की अनुमति दी जाएगी।

(12) **<u>निर्दिष्ट दिव्यांग व्यक्ति RPwD अधिनियम, 2016 की धारा 2(s) की परिभाषा के तहत शामिल हैं, लेकिन उक्त अधिनियम की धारा 2(r) की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते हैं, अर्थात 40% से कम दिव्यांगता वाले और लिखने में कठिनाई वाले व्यक्तियों के लिए नोट:</u>**

(i) परीक्षा के प्रत्येक घंटे के लिए बीस (20) मिनट के अतिरिक्त / क्षतिपूरक समय की अनुमति उन उम्मीदवारों को दी जा सकती है, जो RPwD अधिनियम, 2016 की धारा 2 (s) की परिभाषा के तहत निर्दिष्ट दिव्यांग हैं, लेकिन उक्त अधिनियम की धारा 2(r) की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते हैं, अर्थात ऐसे व्यक्ति जिनकी दिव्यांगता 40% से कम हो और जिन्हें लिखने में कठिनाई हो और जो स्क्राइब की सुविधा पाने के पात्र हों।

(ii) ऐसे उम्मीदवार जो स्क्राइब की सुविधा का उपयोग करना चाहते हैं, उन्हें उनके लिए दिए गए निर्देशों को डाउनलोड कर ध्यान से पढ़ना होगा, जिसे आरबीआई की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

(iii) इन उम्मीदवारों को उक्त भर्ती के लिए विज्ञापन की विस्तृत सूचना के अंतर्गत दिए गए परिशिष्ट-IX में दिए प्रोफार्मा, जो बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in**)** पर उपलब्ध है, के अनुसार स्वयं के स्क्राइब का विवरण भी प्रस्तुत करना होगा।

(13) परीक्षा की व्यवस्था में कुछ समस्या आने की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता जिससे परीक्षा की डिलिवरी तथा/अथवा परिणाम आने पर प्रभाव पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में समस्या को दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा जिसमें उम्मीदवारों का स्थानांतरण, परीक्षा में विलंब होना शामिल हैं। परीक्षा का पुनः आयोजन पूर्णतः परीक्षा संचालित करने वाले निकाय के विवेकाधिकार पर निर्भर है। उम्मीदवारों का पुनः परीक्षा के लिए कोई दावा नहीं होगा। जो उम्मीदवार स्थानांतरण अथवा विलंब से होने वाली परीक्षा में उपस्थित होना स्वीकार नहीं करेंगे उन्हें प्रक्रिया से सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा।

(14) यदि कोई व्यक्ति किसी भी रूप में परीक्षा की विषयवस्तु या उसमें दी गई किसी भी जानकारी को पूर्णतः या आंशिक रूप से या मौखिक या लिखित, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक किसी भी माध्यम से प्रकट करने, प्रकाशित करने, पुनः प्रस्तुत करने, संचारित करने, स्टोर करने या उसके ट्रांसमिशन और स्टोरेज में सहायता करता हुआ पाया जाता है या परीक्षा हॉल में दिए गए कागज-पत्र को ले जाता हुआ या परीक्षा की विषयवस्तु को अनधिकृत रूप से अपने पास रखता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध अभियोग चलाया जा सकता है।

(15) उम्मीदवारों को यात्रा एवं अन्य खर्च स्वयं वहन करने होंगे। बोर्ड उम्मीदवारों के भोजन/निवास की व्यवस्था नहीं करेगा ।

(16) रफ शीट, प्रवेश पत्र और फोटो आईडी प्रूफ प्रबंधन :

क. यदि आवश्यक हो तो, प्रत्येक उम्मीदवार की डेस्क पर रखी रफ शीट का प्रयोग उम्मीदवार द्वारा किया जा सकता है।

ख. वे उम्मीदवार जो स्क्राइब की सेवाओं का लाभ उठाते हैं, उन्हें प्रवेश पत्र और फोटो आईडी प्रूफ की कॉपी के साथ स्क्राइब फॉर्म / वचनपत्र प्रस्तुत करना होगा।

ग. उम्मीदवार को परीक्षा स्थल छोड़ने से पहले फोटो आईडी प्रूफ की फोटोकॉपी के साथ रफ शीट, प्रवेश पत्र निरीक्षक (Invigilator) को सौंपना होगा।

(17) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे "The Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024" और "The Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Rules, 2024" पर ध्यान दें।

6 याद रखने के लिए महत्वपूर्ण बिंदु :

आपको अपने साथ निम्नलिखित लाने की सलाह दी जाती है :

(i) प्रवेश पत्र जिस पर फोटो चिपका हुआ हो और **मूल** फोटो आईडी कार्ड तथा उसकी एक फोटोप्रति। **स्टाफ उम्मीदवारों को भारतीय रिज़र्व बैंक का आईडी कार्ड और इसकी फोटोप्रति लानी है।**

(ii) एक बॉलपॉइंट पेन

<u>सामाजिक दूरी संबंधी अनुदेश</u>

.1 उम्मीदवारों को परीक्षा स्थल पर प्रवेश पत्र में उल्लिखित समयावधि के अनुसार ही रिपोर्ट करना है। देरी से आने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उम्मीदवार को प्रवेशपत्र में दिए गए रिपोर्टिंग समय से 15 मिनट पूर्व रिपोर्ट करना होगा।

.2 'उम्मीदवार के अनुक्रमांक व उनके बैठने की लैब संख्या' परीक्षा स्थल के बाहर नहीं दर्शाई जाएगी, किंतु इसे प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा स्थल पर प्रवेश करने के समय बता दिया जाएगा।

.3 परीक्षा स्थल पर उम्मीदवारों को अनुमत सामग्री:

उम्मीदवारों को परीक्षा स्थल के अंदर केवल निम्नलिखित सामान लाने की अनुमति होगीः

क. मास्क
ख. अपना हैंड सैनिटाइजर (50 मिली)
ग. एक बॉलपॉइन्ट पेन
घ. परीक्षा संबंधी दस्तावेज (प्रवेश पत्र जिसके साथ आईडी कार्ड की फोटोप्रति संलग्न हो, सत्यापन के लिए मूल आईडी कार्ड)
ड़. प्रवेशपत्र के साथ फोटो पहचान पत्र की कापी स्टेपल करके लानी चाहिए। मूल पहचान पत्र (वही जिसकी कापी प्रवेशपत्र के साथ स्टेपल की है) भी सत्यापन के लिए लाना है। प्रवेश पत्र और पहचान पत्र पर छपा नाम पूर्णतः मेल खाना चाहिए।
च. स्क्राइब वाले उम्मीदवारों के मामले में – विधिवत रूप से भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ स्क्राइब फार्म / वचनपत्र

परीक्षा स्थल के भीतर कोई अन्य सामग्री लाने की अनुमति नहीं है।

.4 उम्मीदवार को अपने किसी भी निजी सामानसामग्री को किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए।/

.5 उम्मीदवार को एक दूसरे से सुरक्षित सामाजिक दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

.6 उम्मीदवार को परीक्षा स्थल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार पंक्ति में खड़े होना चाहिए।

.7 यदि उम्मीदवार स्क्राइब की सुविधा का लाभ उठा रहा है तो स्क्राइब को भी अपना मास्क लाना होगा।

शुभकामनाएं!